आप देंगे द्रौपदी सम्मान?

नीरा
मिश्रा
संस्थापक, द्रोपदी ट्रस्ट

10 अप्रैल 2015

साझा कीजिए

open in browser PRO version Are you a developer? Try out the HTML to PDF API pdfcrowd.com

द्रौपदी के रूप में भारतीय क्लासिक डांसर ऊषा नांगियार

भारत में महिलाओं के साथ होने वाला व्यवहार और समाज में उन्हें दिया गया दर्जा कभी अच्छा नहीं रहा है.

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह की कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी पर **की गई टिप्पणी** खेदजनक है लेकिन ऐसी बातें पहली बार कही गई हों ऐसा नहीं है.

औरतों को लेकर आमतौर पर इस तरह के असम्मान की एक अहम वजह सदियों से आज़ाद महिलाओं को लेकर बनाई गई धारणा है.

आज जो रवैया औरतों को लेकर है वो बहुत कुछ महाभारत की नायिका द्रौपदी को लेकर भी दिखता है.

आवाज़ बुलंद करने वाले की उपेक्षा

द्रौपदी के कथित जन्म स्थान कांपिल्य की ही अगर बात करें तो ये भेद भाव और साफ़ हो जाता है.

कांपिल्य जिसे अब कांपिल के नाम से भी जाना जाता है, उत्तर प्रदेश के फ़र्रुख़ाबाद में है.

मिथक मानें या इतिहास द्रौपदी के स्वयंवर और कांपिल्य को अंग्रेज़ों ने राष्ट्रीय संरक्षण दिया, लेकिन इसके बाद आई भारतीय

open in browser PRO version Are you a developer? Try out the HTML to PDF API pdfcrowd.com

सरकारों ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया.

कुरुक्षेत्र में गुरु द्रोणाचार्य के 'अहिक्षेत्र', अर्जुन के पुराना क़िला (पांडव क़िला), कृष्ण के मथुरा और द्वारका में खुदाई और संरक्षण के काम हुए हैं, लेकिन द्रौपदी के कांपिल्य को विलुप्त होने के लिए छोड़ दिया गया.

क्या इसलिए क्योंकि ये जगह उस महिला से संबंधित है, जिसने अपने ख़िलाफ़ हुई हिंसा के खिलाफ आवाज़ बुलंद की और उस राज्य को ललकारा जो औरतों के सम्मान की रक्षा नहीं कर सकता?

पुरस्कारों तक में लिंगभेद!

ये लिंगभेद सरकार द्वारा दिए जाने वाले पुरस्कारों में भी दिखता है.

सरकार ने महाभारत के सूरमाओं के नाम पर अर्जुन पुरस्कार और द्रोणाचार्य पुरस्कार तो रखे, लेकिन एक बार फिर द्रौपदी की उपेक्षा हुई.

क्या वजह है कि महाभारत की सबसे सशक्त नायिका द्रौपदी के नाम पर कुछ भी नहीं है?

कृष्ण, अर्जुन, द्रोणाचार्य अमर हैं, लेकिन द्रौपदी को मध्ययुगीन मानसिकता वाले लोगों के बीच पांच पतियों की अर्धांगिनी भर समझ कर छोड़ दिया गया है.

साहित्य की बात करें तो भी द्रौपदी को समझने की कोशिश उस तरह नहीं हुई है जिस तरह सीता, उर्मिला या मीरा पर काम किया गया है. द्रौपदी के जन्म से जुड़े मिथक बताते हैं कि वो एक बेहद बुद्धिमान और बौद्धिक महिला थीं.

पढ़ें- मेरी बेचैनी ने मुझे लेखक बना दिया: प्रतिभा राय

मेरा मानना है कि उसे भारत की उस पहली महिला के रूप में पहचान मिलनी चाहिए जिसने अपने साथ हुए दुर्व्यवहार के लिए आवाज़ उठाई.

open in browser PRO version Are you a developer? Try out the HTML to PDF API pdfcrowd.com

लेकिन लोक धारणाओं में द्रौपदी की उस पहचान को कभी पेश नहीं किया गया. प्रचलित धारणा तो ये कहती है कि द्रौपदी ने अगर अपने अपमान को नज़रंअदाज़ कर दिया होता तो महाभारत का युद्ध न होता!

हमारे देश में महिलाओं की गरिमा बहाल करने के लिए, हमें “द्रौपदी” को सम्मानित और प्रगतिशील भारतीय महिला के रोल मॉडल के रूप में देखना शुरू करना होगा.

महिलाओं की गरिमा

पूर्व राजनेता डॉक्टर राम मनोहर लोहिया ने एक बार कहा था, “अगर मुझे सीता और द्रौपदी में किसी एक को चुनना होगा तो मैं द्रौपदी को आदर्श महिला मानूंगा.”

द्रौपदी के प्रति सम्मान दिखाने से, महिलाओं के प्रति असम्मान को सहन नहीं करने का स्पष्ट संदेश जाएगा.

समस्या ये है कि मध्यकालीन मानसिकता अब भी ज़्यादातर लोगों में मौजूद है.

पुरुषों का डर

कई पुरुषों के लिए एक औरत विनम्र पत्नी, बहन या मां है, जो तभी “अच्छी और नैतिक” है, यदि वह अपनी जिंदगी में पुरुष अधिकार को स्वीकार करती है.

इसलिए जब उनका सामना शिक्षित, पेशेवर महिलाओं से होता है, तो वे असुरक्षित महसूस करते हैं. वे उन्हें विद्रोही और अपने लिए चुनौती मानने लगते हैं.

इसके चलते, वे महिला को डराने के लिए ऐसे हथकंडे और स्थितियां पैदा करते हैं कि वो आज़ादी का दावा करने में खुद को असहज महसूस करें.

पढ़ें -'चुपचाप रेप सह लेना चाहिए था'

open in browser PRO version Are you a developer? Try out the HTML to PDF API pdfcrowd.com

अच्छी बात य`ह कि महिलांओ का एक तबका ज़रूर ंसर्घष`क ज़रिए हज़ारों र्वष की जबरन अधीनता`स बाहर निकला`ह. उसेक पास द्रौपदी की उग्र भावना`ह और वह बराबरी`क रूप`म अपनी ंसप्रुभता हासिल करेन`क लिए दृढ़-प्रतिज्ञ`ह.

(बीबीसी हिन्दी`क ंएड्रॉएड ऐप`क लिए यहां क्लिक करें. आप हमें फ़ेसबुक और ट्विटर पर भी फ़ॉलो कर सकेत हैं.)

इस खबर को शेयर करें `शयरिंग`के`बारे`में

सबेस ऊपर चेंल

संबधित समाचार

क्या`ह आम महिलाओं की ’ माई च्वाइस’?

2 अप्रैल 2015

.....आपकी बीवी क्या करती हैं?

31 र्माच 2015

औरतों पर`नताओं`क 5 विवादित बयान

14 र्माच 2015

open in browser PRO version Are you a developer? Try out the HTML to PDF API pdfcrowd.com

'माहवारी सामान्य बात है, पर बलात्कार नहीं...

14 मार्च 2015

अधिक भारत की खबरें >

Ads by Google

Silversea Senior Cruises
More Choices Than Any Luxury Line. The Ultimate Luxury Cruise Vacation
www.silversea.com/Official_Site

Medicare Supplement Plans
Medigap Options for (65 & older). Compare Plans & Prices for 2015.
www.medicaresupplemental.com

open in browser PRO version Are you a developer? Try out the HTML to PDF API pdfcrowd.com

Fast Free Web Browser
Fast & Secure - 100% Customizable. Download Diglo Browser for Free.
www.diglo.com

सेक्शन

- होम पेज
- भारत
- विदेश
- मनोरंजन
- खेल
- विज्ञान-टेक्नॉलॉजी
- वीडियो
- सुनिए
- तस्वीरें
- बीबीसी स्पेशल

open in browser PRO version Are you a developer? Try out the HTML to PDF API pdfcrowd.com

Copyright © 2015 बीबीसी. बीबीसी बाहरी साइटों पर मौजूद सामग्री के लिए ज़िम्मेदार नहीं है. एक्सटर्नल लिंक्स पर बीबीसी की नीति

open in browser PRO version Are you a developer? Try out the HTML to PDF API pdfcrowd.com